अनुक्रमांक

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 11

नाम .....

102/1 304 (AP)

2018

सामान्य हिन्दी

प्रथम प्रश्न-पत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 50*

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

---

1. (क) 'शृंगार-रस-मंडन' के रचनाकार हैं *1*

(i) गोस्वामी विट्ठलनाथ

(ii) लल्लूलाल

(iii) गोकुलनाथ

(iv) नाभादास

(ख) 'कवि-वचन सुधा' के सम्पादक थे *1*

(i) बालकृष्ण भट्ट

(ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(iii) प्रतापनारायण मिश्र

(iv) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'

(ग) 'आवारा मसीहा' के लेखक हैं *1*

(i) अमृतराय

(ii) बनारसी दास चतुर्वेदी

(iii) विष्णु प्रभाकर

(iv) गंगाप्रसाद पाण्डेय

(घ) 'नीड़ का निर्माण फिर' के लेखक हैं *1*

(i) श्यामसुन्दर दास

(ii) वियोगी हरि

(iii) राहुल सांकृत्यायन

(iv) हरिवंशराय 'बच्चन'

(ङ) डॉ. श्यामसुन्दर दास द्वारा लिखित 'मेरी कहानी' हिन्दी गद्य की कौन-सी विधा है ? *1*

(i) आत्मकथा

(ii) जीवनी

(iii) संस्मरण

(iv) कहानी

2. (क) 'रसमंजरी' के रचनाकार हैं *1*

(i) कृष्ण दास

(ii) नन्ददास

(iii) परमानन्द दास

(iv) चतुर्भुज दास

(ख) निम्नलिखित में से कौन-सी रचना महाकाव्य *नहीं* है ? *1*

(i) पद्मावत

(ii) कामायनी

(iii) रश्मिरथी

(iv) साकेत

(ग) जयशंकर प्रसाद के काव्य की सिद्धावस्था है *1*

(i) आँसू

(ii) झरना

(iii) लहर

(iv) कामायनी

(घ) 'हारे को हरिनाम' काव्य-ग्रन्थ के रचनाकार हैं *1*

(i) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(ii) जगन्नाथ दास रत्नाकर

(iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(iv) मुक्तिबोध

(ङ) 'अज्ञेय' जी की रचना है *1*

(i) कुरुक्षेत्र

(ii) हरी घास पर क्षण-भर

(iii) रश्मिरथी

(iv) हुंकार

3. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी *एक* की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2+5=7*

(i) भारतीय साहित्य में, और इसलिए जीवन में भी, इस पुष्प का प्रवेश और निर्गम दोनों ही विचित्र नाटकीय व्यापार हैं । ऐसा तो कोई नहीं कह सकता कि कालिदास के पूर्व भारतवर्ष में इस पुष्प का कोई नाम ही नहीं जानता था; परन्तु कालिदास के काव्यों में यह जिस शोभा और सौकुमार्य का भार लेकर प्रवेश करता है, वह पहले कहाँ था ! उस प्रवेश में नववधू के गृह-प्रवेश की भाँति शोभा है, गरिमा है, पवित्रता है और सुकुमारता है । फिर एकाएक मुसलमानी सल्तनत की प्रतिष्ठा के साथ-ही-साथ यह मनोहर पुष्प साहित्य के सिंहासन से चुपचाप उतार दिया गया । नाम तो लोग बाद में भी लेते थे, पर उसी प्रकार जिस प्रकार बुद्ध, विक्रमादित्य का । अशोक को जो सम्मान कालिदास से मिला, वह अपूर्व था ।

(ii) नए शब्द, नए मुहावरे एवं नई रीतियों के प्रयोगों से युक्त भाषा को व्यावहारिकता प्रदान करना ही भाषा में आधुनिकता लाना है । दूसरे शब्दों में केवल आधुनिक युगीन विचारधाराओं के अनुरूप नए शब्दों के गढ़ने मात्र से ही भाषा का विकास नहीं होता, वरन् नए पारिभाषिक शब्दों को एवं नूतन शैली-प्रणालियों को व्यवहार में लाना ही भाषा को आधुनिकता प्रदान करना है । क्योंकि व्यावहारिकता ही भाषा का प्राणतत्त्व है । नए शब्द और नए प्रयोगों का पाठ्य-पुस्तकों से लेकर साहित्यिक पुस्तकों तक एवं शिक्षित व्यक्तियों से लेकर अशिक्षित व्यक्तियों तक के सभी कार्यकलापों में प्रयुक्त होना आवश्यक है । इस तरह हम अपनी भाषा को अपने जीवन की सभी आवश्यकताओं के लिए जब प्रयुक्त कर सकेंगे तब भाषा में अपने आप आधुनिकता आ जाएगी ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** सूक्ति की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 1+2=3

(i) हम भारतवासी गीता को कण्ठ में रखकर धनी हुए और तुम उसे जीवन में लेकर कृतार्थ हुई ।

(ii) संस्कृति परम्परा से नि:सृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है ।

(iii) मन बहुत बेचैन था – बिना पूरी तरह भीगे सूखती मिट्टी की तरह ।

http://www.upboardonline.com

4. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी **एक** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 2+5=7

(i) कहा मनु ने, "नभ धरणी बीच
बना जीवन रहस्य निरुपाय;
एक उल्का-सा जलता भ्रांत,
शून्य में फिरता हूँ असहाय" ।
'कौन हो तुम वसंत के दूत
विरस पतझड़ में अति सुकुमार;
घन तिमिर में चपला की रेख
तपन में शीतल मंद बयार !'

(ii) कह न ठंडी साँस में अब भूल वह जलती कहानी,
आग हो उर में तभी दृग में सजेगा आज पानी;
हार भी तेरी बनेगी मानिनी जय की पताका,
राख क्षणिक पतंग की है अमर दीपक की निशानी !
है तुझे अंगार-शय्या पर मृदुल कलियाँ बिछाना !
जाग तुझको दूर जाना !

(ख) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी **एक** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *1+2=3*

(i) होठों की औ कमल-मुख की म्लानताएँ मिटाना !

(ii) तप नहीं केवल जीवन सत्य ।

(iii) मैं नीर-भरी दुख की बदली !

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए, उसकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : *3+1=4*

(क) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ख) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(ग) हरिशंकर परसाई

6. निम्नलिखित में से किसी *एक* कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए, उसकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : *3+1=4*

(क) अयोध्या सिंह उपाध्याय **'हरिऔध'**

(ख) सुमित्रानन्दन पन्त

(ग) रामधारी सिंह 'दिनकर'

7. (क) 'लाटी' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का सारांश लिखिए । *1*

अथवा

'ध्रुवयात्रा' अथवा 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

(ख) स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए : *1*

(i) 'कुहासा और किरण' नाटक के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'कुहासा और किरण' नाटक के तृतीय अंक की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(ii) 'सूत-पुत्र' नाटक के आधार पर कृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सूत-पुत्र' नाटक के चतुर्थ अंक की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(iii) 'आन का मान' नाटक की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आन का मान' नाटक के द्वितीय अंक की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(iv) 'गरुड़ध्वज' नाटक की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'गरुड़ध्वज' नाटक के प्रमुख नारी पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(v) 'राजमुकुट' के आधार पर अकबर का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'राजमुकुट' नाटक के तृतीय अंक की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

8. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी *एक* खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : *4*

(क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथासार वर्णित कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' के आधार पर दुःशासन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ग) 'आलोक-वृत्त' के आधार पर इसके प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' के चतुर्थ सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(घ) 'त्यागपथी' के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' के पाँचवें सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(ङ) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर इसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के 'आश्रम' सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(च) 'रश्मिरथी' के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए ।

अनुक्रमांक- मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

नाम .....

102/2 305 (AW)

2018

सामान्य हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 50*

निर्देश : *प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।*

1. निम्नलिखित अवतरणों का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : *4+4=8*

(क) शिक्षयैव देशे समाजे च नवीनः प्रकाशः उदेति, अतः श्रीमालवीयः वाराणस्यां काशीविश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत् । अस्य निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत, जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन्, तेन निर्मितोऽयं विशालः विश्वविद्यालयः भारतीयानां दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः च प्रतिमूर्तिरिव विभाति । साधारणस्थितिकोऽपि जनः महतोत्साहेन, मनस्वितया पौरुषेण च असाधारण-

मपि कार्यं कर्त्तुं क्षमः इत्यदर्शयत् मनीषिमूर्धन्यः मालवीयः ।

अथवा

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं व्याकरणञ्च सुनिश्चितम् । तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोध-सामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यं च वर्तते । किं बहुना, चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणां संस्कृतवाङ्मयं ददाति, न तादृशीं किञ्चिदन्यत् । मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी । दया, दानं, शौचं, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा अन्ये, चानेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सञ्जायन्ते ।

(ख) प्रीणाति यः सुचरितैः पितरं स पुत्रो
यद् भर्तुरेव हितमिच्छति तत् कलत्रम् ।
तन्मित्रमापदि सुखे च समक्रियं यद्
एतत्त्रयं जगति पुण्यकृतो लभन्ते ।।

अथवा

अये लाजानुच्चैः पथि वचनमाकर्ण्य गृहिणी ।
शिशोः कर्णौ यत्नात् सुपिहितवती दीनवदना ।।
मयि क्षीणोपाये यदकृतं दृशावश्रुबहुले ।
तदन्तः शल्यं मे त्वमसि पुनरुद्धर्तुमुचितः ।।

2. निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी **एक** की सन्दर्भ-सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए : *4*

(क) सम्पत्तौ च विपत्तौ च महतामेकरूपता ।

(ख) अराजको वासो नाम न वर्तते ।

(ग) किमपि राष्ट्रमपरेण नाक्रंस्यते ।

3. निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तियों में से किन्हीं **दो** के अर्थ लिखते हुए, उनका वाक्य-प्रयोग कीजिए : *2+2=4*

(क) आसमान से गिरा खजूर में अटका

(ख) आ बैल मुझे मार

(ग) उतर गई लोई तो क्या करेगा कोई

(घ) ऊधौ का लेना न माधौ का देना

(ङ) गुड़ खाये गुलगुले से परहेज़ करे

(च) जैसी करनी वैसी भरनी

4. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन करके लिखिए : *1+1+1=3*

(i) 'भवनम्' का सन्धि-विच्छेद है

(अ) भव + अनम्

(ब) भो + अवनम्

(स) भो + अनम्

(द) भव + आननम्

(ii) 'वसन्तोत्सव' का सन्धि-विच्छेद है

(अ) वसन् + तोत्सव

(ब) वसन्त + ओत्सव

(स) वसन्त + उत्सव

(द) वस् + तसव

(iii) 'इत्यादि' का सन्धि-विच्छेद है

(अ) इत् + आदि

(ब) इत्य + आदि

(स) इति + आदि

(द) इति + यादि

(ख) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चुनकर लिखिए : http://www.upboardonline.com *1+1=2*

(i) अशक्त – आसक्त

(अ) शक्तिमान् – निकट

(ब) समर्थ – लगाव रखने वाला

(स) असमर्थ – लगाव रखने वाला

(द) शक्तिरहित – प्रेम करने वाला

(ii) देव – दैव

(अ) देना – आकाश

(ब) देवता – भाग्य

(स) दाता – विधाता

(द) दान – भाग्य

(ग) निम्नलिखित में से किसी *एक* शब्द के दो अर्थ लिखिए : *1+1=2*

(i) हंस

(ii) हलधर

(iii) गिरा

(घ) निम्नलिखित वाक्यांशों में से किन्हीं *दो* के लिए एक-एक शब्द लिखिए : *1+1=2*

(i) जिसका करना इच्छा पर निर्भर हो

(ii) जहाँ कोई दूसरा न हो

(iii) जिसका एकमात्र अधिकार हो

(iv) इतिहास से सम्बन्ध रखने वाले तथ्य

(v) जो कल्पना से परे हो

(ङ) निम्नलिखित शब्द-रूपों में से किसी *एक* का वचन और विभक्ति लिखिए : *1+1=2*

(i) सर्वस्मै

(ii) नाम्ने

(iii) राजनि

(च) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : *1+1=2*

(i) वह भगवान् पर श्रद्धा करता है ।

(ii) शीघ्र ही युद्ध चलने की सम्भावना है ।

(iii) न्यायाधीश ने अपराधी को मृत्युदण्ड की सजा दी ।

(iv) कृपया आप ही यह बताने की कृपा करें ।

(v) तब शायद यह काम जरूर हो जायेगा ।

5. (क) शृङ्गार रस अथवा करुण रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए । *2*

(ख) भ्रान्तिमान् अथवा संदेह अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए । *2*

(ग) दोहा अथवा चौपाई छन्द का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए । *2*

6. अपने समीपस्थ विद्यालय में लिपिक पद पर नियुक्ति हेतु विद्यालय के प्रबन्धक/प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए। 6

अथवा

उच्च शिक्षा ग्रहण करने हेतु ऋण प्राप्त करने के लिए बैंक मैनेजर को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए।

7. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 9

(क) मानव-स्वास्थ्य हेतु योग का योगदान

(ख) इन्टरनेट से लाभ और हानि

(ग) नौका-विहार का वर्णन

(घ) भारतीय किसान की समस्याएँ एवं निदान

(ङ) शिक्षा का गिरता स्तर और उसका समाधान